Page No.
Date:

Class - 5th
Hindi

व्याकरण - पाठ-1 भाषा और व्याकरण

प्र०1) भाषा किसे कहते हैं?
उ:) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

प्र०2) भाषा के कितने कौशल हैं? उनके नाम बताइए।
उ:) भाषा के चार कौशल हैं:-
1) सुनना 2. बोलना 3. पढ़ना
4. लिखना

प्र०3 भाषा के कितने रूप हैं?
उ:) भाषा के दो रूप हैं:-
1. मौखिक 2. लिखित

प्र०4) बोली किसे कहते हैं?
उ:) भाषा का एक अन्य मौखिक रूप बोली कहलाता है। यह बहुत छोटे क्षेत्रों में बोली जाती है।

प्र०5) लिपि किसे कहते हैं?

Page No.
Date

उ:) ध्वनियों को लिखने की विधि को लिपि कहते हैं।

प्र06) व्याकरण हमें क्या सिखाता है?
उ:) व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध रूप में पढ़ना, बोलना और लिखना सिखाता है।

7) रिक्त स्थान-
1. भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को स्वीकार किया गया।
2. प्रतिवर्ष हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है।
3. हमारे संविधान में 22 भाषाएँ स्वीकृत हैं।
4. संस्कृत भाषा की लिपि देवनागरी है।
5. पत्र भाषा का लिखित रूप है।

8) सही (✓) या गलत (x) का चिह्न लगाए-
1. उर्दू भाषा की लिपि देवनागरी है। (x)
2. बोली का क्षेत्र भाषा की तुलना में छोटा होता है। (✓)
3. लिपि में साहित्य लिखा जाता है। (✓)
4. व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है। (✓)

पाठ-२ वर्ण- विचार

प्र०1) वर्ण किसे कहते हैं? वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?

उ:) भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।
वर्ण दो प्रकार के होते हैं:-
1) स्वर (11) २. व्यंजन (33)

प्र०2) वर्णमाला किसे कहते हैं?

उ:) वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं।

प्र०3) संयुक्त व्यंजन कैसे बनते हैं?

उ:) संयुक्त व्यंजन दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बनते हैं।

प्र०4) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण- विच्छेद कीजिए-

I. राष्ट्र - र् + आ + ष् + ट् + र
II. अक्षय - अ + क् + ष + य् + अ
III. श्रुतलेख - श् + र + उ + त् + अ + ल् + ए + ख् + अ
IV. पर्वत - प् + अ + र + व् + अ + त् + अ
V. कृषक - क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ

रिक्त स्थान-

1) स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है।
2) स्वरों के लिए निर्धारित चिह्न मात्राएँ कहलाती है।
3) व्यंजनों को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
4) दो समान व्यंजनों के मेल से द्वित्व व्यंजन बनते है।

पाठ-3 'शब्द संरचना

प्र०1) शब्द किसे कहते है?
उ:) शब्द - वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते है।

प्र०2) उत्पत्ति के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते है? नाम बताइए।
उ:) उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते है -

1. तत्सम शब्द
2. तद्भव शब्द
3. देशज शब्द
4. विदेशज शब्द

प्र०3) विकारी शब्दों की क्या पहचान है?
उ:) विकारी शब्द लिंग, वचन तथा काल के कारण परिवर्तित हो जाते हैं।

प्र०4) निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए -

1. घोटक - घोड़ा
2. अश्रु - आँसू
3. मयूर - मोर
4. घट - घड़ा
5. कर्ण - कान
6. सर्प - साँप
7. पत्र - पत्ता
8. घृत - घी
9. ओष्ठ - होंठ
10. उष्ट्र - ऊँट

अनुच्छेद

1. मेरे सपनों का देश

हर देशवासी अपने देश को उन्नति के शिखर पर देखना चाहता है। मैं भी अपने देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते देखना चाहता हूँ। आज भारत में गरीबी, गंदगी, भ्रष्टाचार और अशिक्षा का बोलबाला

है।

मैं एक ऐसे भारत का स्वप्न देखता हूँ, जहाँ बाल-श्रमिक न हों। सभी बच्चों को शिक्षा मिले और कोई बेरोजगार न हो। महिलाओं को सम्मान मिले। सड़को पर सोते लोगों को भोजन, वस्त्र और घर मिले। मेरे सपनों का भारत स्वच्छ और सुंदर होगा। चारों ओर खुशहाली और हरियाली होगी।

2. वृक्षारोपण का महत्व

वृक्षारोपण यानी वृक्ष लगाना। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना जरूरी है। पेड़-पौधों से छाया, ऑक्सीजन, फल-फूल, लकड़ी, ईधन की प्राप्ति होती है। पेड़ों की छाल औषधि बनाने के काम आती है। इनकी सूखी पत्तियो से खाद बनती है। पेड़ो से कागज की भी प्राप्ति होती है।

यह हमारे वातावरण को सुरक्षित रखते हैं, अतः हमें पेड़-पौधे नही काटने चाहिए। पेड़ काटने से वातावरण भी

दूषित हो रहा है, वृक्ष कटने से ही बाढ़, भूमि-स्खलन आदि होते हैं।

पत्र

अपने विद्यालय में हुए 'बाल मेले' का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखिए -

परीक्षा भवन,
जम्मू
दिनांक:

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी सकुशल होंगे। यह पत्र मैंने तुम्हें अपने विद्यालय में आयोजित 'बाल मेले' के बारे में बताने के लिए लिखा है। इस मेले में सभी कक्षाओं ने अपने-अपने स्टॉल लगाए थे। सभी ने मेले का बहुत आनंद उठाया। घर में बड़ों को मेरा प्रणाम और छोटों को प्यार देना।

तुम्हारा मित्र
नाम-

अपने नाना जी को गरमियों की छुट्टियों की योजना बताते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
जम्मू
दिनांक -

आदरणीय नाना जी,

सादर प्रणाम

बहुत दिनों से आपको कोई पत्र नहीं लिखा। अब गरमी की छुट्टियाँ शुरू होने वाली हैं। इन छुट्टियों में मैंने अपने दोस्तों के साथ आपके पास आने की योजना बनाई है। मेरे दोस्त भी आपके पास आने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

नानी जी कैसी हैं? मामा, मामी और नाना जी को मेरा प्रणाम कहिएगा।

आपका नाती
नाम.